11014/7/2019- समन्वय

भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

(समन्वय प्रभाग)

••••

#10, श्रम शक्ति भवन
रफी मार्ग, नई दिल्ली - 110001
दिनांक: 21 मार्च, 2023

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय से संबंधित मासिक सारांश।

मुझे फरवरी, 2023 माह के महत्वपूर्ण कार्यकलापों का मासिक सारांश (अंग्रेजी और हिंदी में) सूचनार्थ अग्रेषित करने का निदेश दिया गया है।

संलग्नक: यथोक्त

प्रमोद कुमार सिंह 21/3/2023.
(प्रमोद कुमार सिंह)
उप सचिव, भारत सरकर
(दूरभाष: 011-23465915)

सेवा में :-

भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग

प्रतिलिपि सूचनार्थ:-

मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली -110001

फरवरी, 2023 माह के दौरान मंत्रालय की कुछ मुख्य उपलब्धियां/पहलें नीचे दी गई हैं:

1. कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने दिनांक 21.02.2023 को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता-निर्माण और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) भागीदार राष्ट्रों में उद्यमियों की नई पीढ़ी को डिजिटल आईटी प्लेटफार्मों के उपयोग और स्थापना के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इन सत्रों में रूस, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, कंबोडिया, मालदीव, नेपाल, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित आठ सदस्य देशों ने भाग लिया। इसके अलावा, 50 प्रतिनिधि, एससीओ सदस्य राज्यों, पर्यवेक्षक राज्यों और संवाद भागीदारों से हाइब्रिड मोड में शामिल हुए। माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया और अनेक विषयों, सामान्य शिक्षा तथा कौशल शिक्षा में समग्र रूप से गतिशीलता प्रदान करने के लिए शिक्षा प्रणाली में कई प्रवेश और निकास बिंदु बनाने के महत्व पर जोर दिया।

2. प्रधान मंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला (पीएमएनएएम): राज्यों/संघ-राज्य क्षेत्रों को लिखा गया है कि वे प्रत्येक दूसरे सोमवार को राज्य के एक तिहाई जिलों में पीएमएनएएम का आयोजन करें ताकि तिमाही में एक बार और वर्ष में चार बार सभी जिलों को कवर किया जा सके। राज्यों/ संघ-राज्य क्षेत्रों को स्थानीय परिस्थितियों/त्यौहारों आदि के आधार पर जिला/स्थान और मेला दिवस को चुनने की छूट दी गई है। तदनुसार, फरवरी महीने के लिए, पीएमएनएएम का आयोजन दिनांक 13-02-2023 को प्रधान मंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला (पीएमएनएएम) पोर्टल (https://dgt.gov.in/appmela) के माध्यम से देश के 220 जिलों में किया गया था। इसके साथ, जून, 2022 से अब तक देश में 1,612 स्थानों पर पीएमएनएएम का आयोजन किया जा चुका है। संचयी रूप से, 2.62 लाख उम्मीदवारों ने इनमें भाग लिया और पीएमएनएएम में भाग लेने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या 13,929 रही। पीएमएनएएम शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए एक एडवोकेसी प्लेटफार्म के रूप में भी कार्य करता है। पीएमएनएएम के बाद हर महीने, आगामी 20 दिनों के लिए शिक्षुता अनुबंधों को ट्रैक किया गया और 3.16 लाख शिक्षुता अनुबंधों को सृजित पाया गया; इनमें पीएमएनएएम से बाह्य सृजित अनुबंध भी शामिल हो सकते हैं।

3. वेबिनार-बजट- उपरांत घोषणा 2023-24:

केंद्रीय बजट 2023-24 में एमएसडीई से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं शामिल थीं। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना 4.0 का शुभारंभ, एकीकृत स्किल इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ और एक अखिल भारत राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम के अंतर्गत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की शुरुआत शामिल हैं।

इस बैकड्रॉप के समक्ष, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के साथ 25 फरवरी 2023 को "कौशल और शिक्षा के माध्यम से युवा शक्ति का दोहन" विषय पर बजट-उपरांत वेबिनार का आयोजन किया।

i. 25 फरवरी, 2023 को आयोजित वेबिनार में, डॉ के. के. द्विवेदी, संयुक्त सचिव, एमएसडीई द्वारा संचालित **"पुनःकल्पना अल्पावधि कौशलीकरण - पीएमकेवीवाई 4.0"** संबंधी एक विस्तृत सत्र आयोजित किया गया था। पैनलिस्ट का विचार-विमर्श निम्नलिखित पहलुओं पर रहा:

क. कौशल अंतर और मांग आकलन
ख. उद्योग भागीदारी
ग. कौशलीकरण में संकेन्द्रण
घ. शिक्षा के साथ एकीकरण
ङ. आकांक्षा और जागरूकता
च. स्कीम के कारगर कार्यान्वयन की कार्यनीतियां

ii. शिक्षुता संवर्धन के संबंध में, वेबिनार के भाग के रूप में एक समानांतर विस्तृत सत्र 'विद्यालय से कार्यांतरण के रूप में शिक्षुता को बढ़ावा देना- राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम' आयोजित किया गया था। इस सत्र की अध्यक्षता श्री प्रो. एम. जगदीश कुमार, अध्यक्ष, यूजीसी ने की और श्रीमती सोनल मिश्रा, संयुक्त सचिव, एमएसडीई द्वारा संचालित किया गया।

iii. 25 फरवरी, 2023 को बजट उपरांत वेबिनार संबंधी एक और विस्तृत-सत्र का विषय "द डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर स्किलिंग-स्किल इंडिया डिजिटल था।" इस सत्र की अध्यक्षता यूआईडीएआई के सीईओ श्री सौरभ गर्ग ने की और संचालन एनएसडीसी के सीईओ श्री वेद मणि तिवारी ने किया।

iv. मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 21 और 22 फरवरी, 2023 को नए जॉब रोलों की पहचान, स्व और दैनिक रोजगार को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदम, सफलता की कहानियां, वित्तीय संबंधी आदि पर चर्चा करने हेतु जन शिक्षा संस्थानों (जेएसएसएस) के साथ ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किए गए थे।

v. कौशल और शिक्षा क्षेत्र के लिए बजट-उपरांत वेबिनार में भाग लेने वाले आईटीआई का आंकड़ा एकत्र करने के लिए एक वेबफॉर्म (https://dgt.gov.in/webinar) बनाया गया था।

4. जेएसएस स्कीम के लिए "दोहरी श्रेणी" के अंतर्गत आकलन एजेंसी और आवर्डिंग निकाय के रूप में मान्यता हेतु समझौते पर 7 फरवरी, 2023 को जेएसएस निदेशालय और एनसीवीईटी के बीच हस्ताक्षर हुए थे।

जेएसएस स्कीम और पीएमकेवीवाई के स्किल हब कार्यक्रम के अंतर्गत अतिरिक्त लक्ष्य आबंटन के संबंध में 14 और 15 फरवरी, 2023 को जेएसएस के साथ ऑनलाइन बैठकें आयोजित की गईं।

5. माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने पर्यटन मंत्रालय के उचित सहयोग के साथ स्विट्जरलैंड स्थित होटल और पर्यटन प्रबंधन संस्थान (एचटीएमआई) के साथ दिनांक 28.02.2023 को संयुक्त रूप से आकांक्षी छात्रों को हॉस्पिटैलिटी ट्रेड में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा और सर्टिफिकेशन कार्यक्रम प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सभा को संबोधित करते हुए, माननीय केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इस वर्ष का बजट अधिक पूंजीगत व्यय पर बल देकर और जनता को सशक्त बनाने के लिए वृतीय-अर्थव्यवस्था के निर्माण पर बल देकर भारत को विश्व की वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में खड़ा करने पर केंद्रित है।

6. चालू परियोजनाएं

i. शिक्षुता कार्यक्रम को आगे बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रमुख हितधारकों के बीच मौजूदा शिक्षुता स्कीमों के बारे में पर्याप्त जागरूकता है, 250 शिक्षुता एडवोकेसी कार्यशालाओं की योजना बनाई गई है। मांग पक्ष और आपूर्ति पक्ष दोनों में शिक्षुता की ब्रांडिंग और संचार में सुधार लाने के उद्देश्य से ऐसी कुल 63 कार्यशालाओं का आयोजन (माह जनवरी, 23 में 13 और माह फरवरी, 23 में 50) किया गया है। कार्यशाला आईटीआई के अलावा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के जुटाव पर भी ध्यान केंद्रित करती है।

ii. कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के अंतर्गत एक शीर्ष संगठन राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) ने आईटीआई के 500 अनुदेशकों/प्रशिक्षकों के लिए उद्यमशीलता विकास, नियोजनीयता और जीवन कौशल संबंधी प्रशिक्षको का प्रशिक्षण 5 दिवसीय ऑफ़लाइन (आवासीय आधारित) कार्यक्रम डीजीटी द्वारा आयोजित किया गया था, जिसे राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) द्वारा सहयोग प्रदान किया गया था।

iii. राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) ने भी 20 फरवरी, 2023 से 29 देशों के प्रतिनिधियों के लिए ग्रामीण और पारंपरिक उद्यमों के लिए क्लस्टर विकास पर छह सप्ताह (आईटीईसी प्रायोजित) क्षमता-निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

iv. युवा चरण II परियोजना को दिल्ली पुलिस के साथ बागीदारी में कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समाज के पिछड़े वर्ग तक पहुंचकर और नागरिकों के लिए स्वयं को अधिक सुलभ बनाकर समुदाय-उन्मुख पुलिसिंग को सुपुर्द करना है। इस परियोजना के भाग के रूप में, दिल्ली पुलिस ने एनएसडीसी के सहयोग से 20 फरवरी 2023 को दिल्ली के द्वारका जिले में एक मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया, जिसमें दिल्ली के 15 जिलों के 1800 से अधिक उम्मीदवारों ने मेले में भाग लिया, जिसमें से 1250 उम्मीदवारों को आशय-पत्र दिया गया।

v. भारी वाणिज्यिक वाहन (एचसीवी) के लिए ड्राइवरों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से 'सारथी - एचसीवी चालक प्रशिक्षण' ओडिशा, तेलंगाना और महाराष्ट्र राज्यों में कार्यान्वित किया जा रहा है। दिनांक 28.02.2023 तक, 218 उम्मीदवारों ने (11 बैच) नामांकन किया गया है, जिनमें से 193 उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण (9 बैच) पूरा कर लिया है।

vi. हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) के साथ भागीदारी में मुंबई के विभिन्न समूहों में काम कर रहे 2,000 जरी कामगारों के कौशल विकास के लिए एक परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। दिनांक 28.02.2023 तक, कुल 60 कामगारों को नामांकित किया गया है, 56 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है, और 50 उम्मीदवारों का दो बैचों में आकलन और प्रमाणन किया गया है। 30 कामगारों का प्रशिक्षण चल रहा है।

vii. प्रशिक्षकों और आकलनकर्ताओं के रूप में सेवानिवृत्त सैनिकों द्वारा सेवा के दौरान सीखे गए कौशल का पता लगाने और प्रमाणित करने के लिए भारतीय सेना के पूर्व भारतीय सेना निदेशालय (डीआईएवी) के साथ भागीदारी में एक परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इस परियोजना का लक्ष्य निकट भविष्य में सेवानिवृत्त होने वाले/सेवानिवृत्त 5000 सैन्य कर्मियों को शामिल करना है। दिनांक 24.02.2023 तक, 12 क्षेत्रों में 28 जॉब रोलों में 26 सेना प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण शुरू हो गया है। कुल 3324 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया है।

viii. नई दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) के साथ भागीदारी में एक कौशलीकरण कार्यक्रम को इसके अनुबंधित कर्मचारियों और कार्यरत अन्य कर्मचारियों को प्रमाणित/कौशल बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यान्वित किया जा रहा है। दिनांक 24.02.2023 तक 26,225 उम्मीदवारों का नामांकन पूर्ण हो चुका है, जिनमें से 21,199 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

ix. जेएसएस स्कीम के लिए "दोहरी श्रेणी" के अंतर्गत आकलन एजेंसी और आवर्डिंग निकाय के रूप में मान्यता के लिए समझौते पर 7 फरवरी, 2023 को जेएसएस निदेशालय और एनसीवीईटी के बीच हस्ताक्षर किए गए थे।

x. जेएसएस स्कीम और पीएमकेवीवाई के स्किल हब कार्यक्रम के अंतर्गत अतिरिक्त लक्ष्य के आबंटन के संबंध में 14 और 15 फरवरी, 2023 को जेएसएस के साथ ऑनलाइन बैठकें आयोजित की गईं।

7. महत्वपूर्ण बैठकें:

दिनांक 20.02.2023 को सचिव, एमएसडीई की अध्यक्षता में दो वर्चुअल बैठकें, जिनमें से एक राष्ट्रीय महत्वपूर्ण संस्थाओं अर्थात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), योजना तथा वास्तुकला विद्यालय (एसपीए) और दूसरा केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, सैनिक स्कूल सोसाइटी, जनजातीय छात्रों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा सोसाइटी (ईएमआरएस), स्कूल विभाग के प्रतिनिधियों के साथ शिक्षा और साक्षरता (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय), स्किल हब के माध्यम से पीएमकेवीवाई 4.0 के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए, आयोजित की गई थी।

8. उपर्युक्त पहलों के अलावा, समय-समय पर आयोजित समीक्षा बैठकों के दौरान, अधिकारियों को कार्यालय के काम-काज में दक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए देश के कौशल इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए लगन से काम करने और अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने की सलाह दी जाती है।